● पढ़ो, समझो और लिखो :

३.स्वतंत्रता

इस कहानी में यह बताया गया है कि स्वतंत्रता अनमोल होती है ।

विशेषता हमारी

* चित्र देखकर विशेषणयुक्त शब्द बताओ और उनका वाक्यों में प्रयोग करो ।

जनवरी माह की ठंड भरी एक सुबह । घने जंगल के बीच खड़े बूढ़े बरगद की फुनगी पर एक बूढ़ा तोता, गुनगुनाती धूप सेंक रहा था । सारे छोटे बच्चे आस-पास ही खेल रहे थे । आसमान में उड़ते हुए गैस के लाल, पीले गुब्बारों को देख एक हल्की मुस्कान उसके चेहरे पर आ गई । पास में खेल रहे तोते के बच्चे ने इसका कारण जानना चाहा ।

बूढ़ा तोता कहने लगा, ''बेटे, बहुत साल पहले की बात है । शाम होने को थी, हम सभी संगी-साथी अपने घरों की ओर लौट रहे थे । गैस भरे गुब्बारों का गुच्छा हमारे करीब से गुजर रहा था कि अचानक मेरे एक दोस्त ने शरारत करते हुए मुझे धक्का दिया और मैं बुरी तरह से गुब्बारों की डोरियों में उलझ गया ।

लाख कोशिश करने के बाद भी मैं अपने-आप को छुड़ा न पाया । मैं हवा के झोंकों के साथ गुब्बारों सहित दूसरी दिशा में बहने लगा । मेरी चोंच, पैर और पंख अपने-आपको छुड़ाने की कोशिश में बुरी तरह लहूलुहान हो गए थे । धीरे-धीरे शाम गहराने लगी, गुब्बारों की हवा भी कम होने लगी और अंत में गुब्बारों के साथ मैं शहर की घनी बस्ती के पीपल वृक्ष की फुनगी पर जा टिका । मैं डोरियों में फँसा असहाय हो चुका था । मेरे दोस्तों ने मेरा साथ छोड़ दिया ।

मोंटू नामक एक लड़का तीसरी मंजिल पर रहता था । जहाँ से पीपल के पेड़ और उसपर फँसे मुझपर

उसकी नजर गई । उसने घर में पिता से मुझे छुड़ाने को

❑ श्यामपट्ट पर कहानी में आए विशेषणों (लाल, कम, एक, ये) की सूची बनाएँ और उन्हें भेदों सहित समझाएँ । इन शब्दों का वाक्य में प्रयोग कराएँ । कहानी में आए नए शब्दों के अर्थ बताकर उनसे अपने शब्दों में कहानी लिखवाएँ । विद्यार्थियों से अपने शब्दों में कहानी कहलवाएँ तथा कहानी से प्राप्त होने वाली सीख बताने के लिए कहें ।

विचार मंथन

।। जीवदया ही भूतदया है ।।

कहा। पिता ने देखा, बचाना आसान काम नहीं है क्योंकि वृक्ष की फुनगी पर आसानी से पहुँचा नहीं जा सकता था । बहुत सोच-विचार के बाद उन्हें एक उपाय सूझा वह पेड़ जहाँ खड़ा था उसके नीचे चारदीवारी थी जिस पर काँच लगे थे एक ओर गंदे पानी का नाला बह रहा था तो दूसरी ओर कचरे का बड़ा सा कूड़ा-दान था । मोंटू के पापा ने लंबी-सी रस्सी उस डाल पर फेंकी और नीचे की ओर खींचते हुए कहा कि अब हम तुमको बचा ही लेंगे । मैं टूटी हुई डाल के साथ कूड़ेदान में आ गिरा । मेरी जान बच गई । मोंटू के पिता जख्मी हालत में मुझे घर ले आए, मरहमपट्टी की और पिंजड़े में रख दिया ।

मुझे बड़ा दुख हुआ । मैंने न पानी पीया और न ही चोंच में दाना लिया । मोंटू ने रात में पिता जी से १५ अगस्त का महत्त्व पूछा । पिता जी ने कहा कि स्वतंत्रता यानि आजादी अर्थात अपनी इच्छानुसार हर कार्य करने की सुविधा । मोंटू ने सवाल किया कि क्या यह आजादी सभी के लिए होती है । पिता ने बताया कि यह हम सबका अधिकार है । दूसरे दिन सुबह मोंटू मेरे पिंजड़े के पास आया और उसने कहा कि देखो मित्र तुम जल्दी से ठीक हो जाओ तो मैं तुम्हें शीघ्र ही आजाद कर दूँगा । मुझे मोंटू की बात समझ में आ गई थी । कुछ दिनों बाद पंद्रह अगस्त की सुबह मोंटू नए जूते पहने, हाथ में तिरंगा लेकर पाठशाला चला गया । जाते समय मोंटू ने अपना वादा पूरा किया ।''

मैंने समझा

शब्द वाटिका

नए शब्द

फुनगी = डाल का सिरा

घना = गहरा

कोशिश = प्रयत्न

मुहावरा

लहूलुहान होना = बुरी तरह से जख्मी होना ।

भाषा की ओर

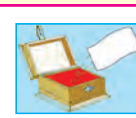

विरामचिह्न रहित अनुच्छेद में विरामचिह्न लगाओ ।
(,, !, ।, ?, -, —, ‘ ’, “ ”)

काबुलीवाले ने पूछा बिटिया अब कौन-सी चूड़ियाँ चाहिए मैंने अपनी गुड़िया दिखाकर कहा मेरी गुड़िया के लिए अच्छी सी चूड़ियाँ दे दो जैसे लाल नीली पीली

(यह अनुच्छेद काबुलीवाला कहानी से है ।)

सुनो तो जरा

विभिन्न पशु-पक्षियों की बोलियों की नकल सुनाओ ।

बताओ तो सही

अपने साथ घटित कोई मजेदार घटना बताओ ।

वाचन जगत से

प्रेमचंद की कोई एक कहानी पढ़ो । उसका विषय बताओ ।

मेरी कलम से

'बाघ बचाओ परियोजना' के बारे में जानकारी प्राप्त कर लिखो ।

सदैव ध्यान में रखो

प्राणियों का संरक्षण करना हमारा कर्तव्य है ।

जरा सोचो ..... चर्चा करो

यदि प्राणी नहीं होते तो ...

*** कहानी का सारांश अपने शब्दों में लिखो ।**

खोजबीन

विलुप्त होते हुए प्राणियों तथा पक्षियों की जानकारी प्राप्त करके सूची बनाओ ।

स्वयं अध्ययन

दूरदर्शन पर दिखाए जाने वाले किसी अनोखे जीव की जानकारी प्राप्त करो ।

अध्ययन कौशल

निम्नलिखित शब्दों का रोमन लिपि में लिप्यंतरण करो ।